डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी

Dr. Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University Newsletter

जनवरी 2022 | आयुर्वेदात्मकं ज्योतिः शाश्वतं नः प्रकाशताम्। | वर्ष 5, अंक 03

विश्वविद्यालय एवं आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार के मध्य एम.ओ.यू. किया गया (विस्तृत समाचार पृष्ठ 3 पर)

इस अंक में .....

- डॉ. सुभाष गर्ग बने आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग के मन्त्री – पृष्ठ 2
- कुलपति भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग के एडवॉयज़री बोर्ड के सदस्य मनोनीत – पृष्ठ 2
- शैक्षणिक गतिविधियाँ – पृष्ठ 3–5
- स्वास्थ्य संरक्षण/चिकित्सापरक गतिविधियाँ – पृष्ठ 6
- चित्र वीथिका – पृष्ठ 7–8
- सामाजिक एवं पर्यावरण सम्बन्धी सरोकार – पृष्ठ 9
- विविधा – पृष्ठ 10–12

RAJBIL/2017/74087

कुलपति की कलम से .....

'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' यह मन्त्र भारतीय संस्कृति को सदैव जागृत करने का महामंत्र रहा है या यूं कहे तो भारतीय संस्कृति को प्रतिबिंबित करने वाला महासूत्र है। सदियों से भारत भूमि इसी सूत्र को जीवंत करते हुए अखिल विश्व को दिशा निर्देश करती आ रही है। कर्त्तव्यस्य क्रिया कर्म इस गुणानुवाद द्वारा मानो आयुर्वेद भी इसी कर्मशीलता को चरितार्थ कर रहा है। कोविड-19 रूपी विप्लव के निवारण हेतु विश्वविद्यालय निरंतर कर्मपथ पर सक्रिय रहा है। तीनों गोदग्रामों सहित जोधपुर की विभिन्न पंचायत समितियों के अनकों ग्रामों में बड़ी संख्या में आयोजित शिविरों में नि:शुल्क क्वाथ व औषधि वितरण, व्यक्तिगत एवं दूरभाष परामर्श सेवा के द्वारा विश्वविद्यालय कोविड-19 को परास्त करने में नि:स्पृह भावना से निरन्तर कार्य कर रहा है जिसके बेहतरीन परिणाम भी देखने को मिले हैं। तीसरी लहर का प्रबन्धन भारत ने विकसित देशों की तुलना में अधिक बेहतर रूप से किया है और आयुर्वेद इसका सशक्त माध्यम रहा है।

कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक गतिविधियां निर्बाध रूप से संचालित की हैं। इसमें निरंतर व्याख्यान मालाओं का आयोजन करते हुए विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केन्द्र द्वारा एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। कोरोनाकाल में जहां सब कुछ एक बार थम सा गया, वहां विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्य व्याख्यान, शोध पत्र लेखन, पुस्तक लेखन, शोध परियोजना आदि किसी न किसी गतिविधि में निरन्तर संलग्न एवं सक्रिय रहे। शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ एमओयू हुए। इसी क्रम में आईआईटी के साथ हुए एमओयू के अन्तर्गत अभियांत्रिकी ऊर्जा का प्रयोग आयुर्वेद पद्धति में समाविष्ट करने का एक महत्वपूर्ण कार्य भी इस काल में संपादित हुआ। विश्वविद्यालय के पंचकर्म केंद्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को स्वीकृत करते हुए 43.81 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है जिसके पश्चात् इस केन्द्र के उन्नयन का कार्य प्रगति पर है।

शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ ही विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत सघन वृक्षारोपण एवं सांस्कृतिक क्रियाकलाप भी निर्बाध रूप से कोविड-19 अनुकूल व्यवहार की पालना करते हुए व्यापक एवं सक्रिय रूपेण आयोजित किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय पोषण दिवस एवं आयुर्वेद दिवस पर विश्वविद्यालय ने अनेक गतिविधियों का आयोजन किया और गीता जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर की वेबिनार एवं गीता श्लोक समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके माध्यम से स्वास्थ्य में गीता की उपादेयता को उजागर किया गया। इस प्रकार विश्वविद्यालय परिवार का प्रत्येक सदस्य पूर्ण मनोयोग से इस संस्था को एक गरिमामय पहचान दिलाने हेतु निरन्तर प्रयासरत है। वह दिन दूर नहीं जब यह विश्वविद्यालय इस शहर के अभिधान के रूप में सम्पूर्ण विश्व में एक आदर्श मानदंड स्थापित करेगा।

प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार

डॉ. सुभाष गर्ग बने आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग के मन्त्री

राजस्थान के माननीय मुख्यमन्त्री श्री अशोक गहलोत ने डॉ. सुभाष गर्ग को आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग के राज्य मन्त्री (स्वतन्त्र प्रभार) नियुक्त किया है। श्री गर्ग ने दिनांक 22 नवम्बर 2021 को विभाग के माननीय मन्त्री का पदभार ग्रहण किया। श्री गर्ग को आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग के अतिरिक्त तकनीकी शिक्षा विभाग, जन अभाव-अभियोग निराकरण विभाग, अल्पसंख्यक मामलात विभाग, उपनिवेशन विभाग, सिंचित क्षेत्र विकास एवं जल उपयोगिता विभाग के मन्त्री का प्रभार भी दिया गया है। डॉ. गर्ग राजस्थान विधानसभा में भरतपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। पूर्व में पेशे से शिक्षक रहे डॉ. गर्ग राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष पद पर भी कार्य कर चुके हैं। आयुर्वेद मन्त्री पद का कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने विभाग के सभी अधिकारियों की मीटिंग ली और अद्यतन विकास एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग व प्राकृतिक चिकित्सा विभागों के समुन्नयन के लिए समस्त अधिकारियों को पूर्ण मनोयोग से कार्य करने के निर्देश दिये। माननीय मुख्यमंत्री महोदय श्री अशोक गहलोत द्वारा श्री गर्ग को जोधपुर जिले के समुचित विकास हेतु प्रभारी मंत्री के रूप में भी नियुक्त किया गया है।

कुलपति प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (NCISM) के एडवॉयज़री बोर्ड के सदस्य मनोनीत

आयुष मन्त्रालय भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार के आयुर्वेद विज्ञान के उन्नयन में दिये गये उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (NCISM), नई दिल्ली के एडवॉयज़री बोर्ड का सदस्य मनोनीत किया गया है। प्रो. कुमार चिकित्सा, शिक्षा व अनुसन्धान के अपने विशाल अनुभव के माध्यम से देश में आयुर्वेद के अनुसन्धान, शिक्षण एवं चिकित्सा के उन्नयन एवं नवाचारों हेतु बोर्ड के सदस्य के रूप में आयोग को सलाह देते हुए आयुर्वेद के उन्नयन के लिए नई दिशा एवं दशा स्थापित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उल्लेखनीय है कि प्रो. कुमार अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक, सेन्ट्रल कॉउन्सिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड सिद्धा (CCRAS) के महानिदेशक, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून के कुलपति के रूप में अपनी गरिमामय सेवाएं दे चुके हैं ववर्तमान में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति के रूप में इस संस्था सहित आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने हेतु कार्यरत हैं।

विश्वविद्यालय एवं आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार के मध्य एमओयू

02 नवम्बर 2021 को आयुर्वेद दिवस एवं धन्वन्तरि जयन्ती के अवसर पर राजस्थान सरकार के माननीय चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद मन्त्री डॉ. रघु शर्मा, माननीय चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद राज्यमन्त्री डॉ. सुभाष गर्ग की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय एवं आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार के मध्य विश्वविद्यालय द्वारा तैयार शोध आधारित गुणवत्तापूर्ण आयुर्वेदीय औषधियों का आयुर्वेद विभाग में उपलब्ध मानव संसाधन एवं आधारभूत संरचना के माध्यम से सामान्य जनता के लिये व्यापक उपयोग किये जाने हेतु एक एमओयू पर कुलपति प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार एवं शासन सचिव, आयुष विभाग राजस्थान सरकार श्रीमती विनीता श्रीवास्तव द्वारा हस्ताक्षर किये गये। कुलपति प्रो. कुमार ने बताया कि इस एमओयू के अन्तर्गत आयुर्वेद विभाग में उपलब्ध मानव संसाधन के रूप में आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों, पैरामेडिकल स्टॉफ को रिओरियेंटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम, शॉर्ट टाईम रिसर्च प्रोग्राम, प्रोजेक्ट वर्क आदि के माध्यम से प्रशिक्षित किया जायेगा जिससे वे विश्वविद्यालय द्वारा तैयार शोध आधारित गुणवत्तापूर्ण आयुर्वेदीय औषधियों का जनसामान्य के रोगों के निवारण एवं स्वास्थ्य संरक्षण हेतु अधिक कौशल से उपयोग कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। कार्यक्रम में आयुर्वेद विभाग की निदेशक श्रीमती सीमा शर्मा, अतिरिक्त निदेशक डॉ. आनन्द शर्मा, विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया, बोर्ड ऑफ इण्डियन मेडिसिन, राजस्थान के अध्यक्ष प्रो. महेश चन्द्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में आयुर्वेद विभाग के अधिकारीगण एवं चिकित्सक उपस्थित थे।

आईआईटी जोधपुर में आयुटेक सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना पूर्व चर्चा हेतु आयुष मन्त्रालय, भारत सरकार के सलाहकार, डॉ. मनोज नेसरी का आईआईटी जोधपुर एवं विश्वविद्यालय में आगमन

आयुटेक सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना पूर्व विस्तृत विचार विमर्श हेतु आयुष मन्त्रालय, भारत सरकार के सलाहकार डॉ. मनोज नेसरी ने 4 दिसम्बर 2021 को आईआईटी जोधपुर एवं विश्वविद्यालय का दौरा किया। सर्वप्रथम डॉ. नेसरी ने आईआईटी, जोधपुर परिसर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार के सान्निध्य में आयुटेक सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स प्रोजेक्ट की कोआर्डीनेटर प्रो. मिताली मुखर्जी, विभागाध्यक्ष, बायोसाईन्सेज एवं बायोइन्जीनियरिंग विभाग, आईआईटी जोधपुर सहित इस प्रोजेक्ट में आईआईटी जोधपुर से सम्मिलित अन्य संकाय सदस्यों और आयुर्वेद विश्वविद्यालय से डीन रिसर्च डॉ. प्रेमप्रकाश व्यास सहित अन्य संकाय सदस्यों से इस सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना के उद्देश्य एवं किये जा रहे प्रयासों के बारे विस्तार से मन्त्रणा की। प्रोजेक्ट कोआर्डीनेटर प्रो. मुखर्जी ने सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की कार्ययोजना के बारे में विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रो. कुमार एवं डॉ. नेसरी ने सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना हेतु श्रेष्ठ मानक तय करने और स्थापना के उपरान्त इस केन्द्र द्वारा किये जाने वाले शोध कार्यो की गुणवत्ता का स्तर बनाये रखने हेतु महत्त्वपूर्ण निर्देश दिये। आईआईटी, जोधपुर के निदेशक प्रो. शान्तनु चौधरी भी एक अन्य मीटिंग में व्यस्तता के बाद भी कुछ समय के लिए इस मीटिंग में उपस्थित रहे और इस प्रोजेक्ट हेतु अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव दिये। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से डॉ. राकेश कुमार शर्मा, मुख्य समन्वयक, मानव संसाधन विकास केन्द्र, प्रो. गोविन्द गुप्ता, विभागाध्यक्ष, रोग एवं विकृति विज्ञान विभाग, डॉ. ऋतु कपूर, एसोसिएट प्रोफेसर, अगद तन्त्र विभाग, डॉ. मनोज अदलखा, एसोसिएट प्रोफेसर, द्रव्यगुण विभाग, डॉ. मनीषा गोयल, एसोसिएट प्रोफेसर रसशास्त्र विभाग, डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, एसोसिएट, प्रोफेसर पंचकर्म विभाग, डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा, एसोसिएट, प्रोफेसर कायचिकित्सा विभाग, डॉ संजय श्रीवास्तव, असिस्टेण्ट प्रोफेसर शल्य तन्त्र विभाग आदि संकाय सदस्य उपस्थित थे।

इसके पश्चात् डॉ. मनोज नेसरी विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों से सम्वाद हेतु विश्वविद्यालय के कड़वड़ स्थित परिसर पधारे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार ने डॉ. नेसरी का साफा एवं माला पहना कर अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य एवं आयुटेक सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स प्रोजक्ट की को-आर्डीनेटर प्रो. मिताली मुखर्जी सहित इस प्रोजेक्ट में आईआईटी जोधपुर से सम्मिलित अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। इस अवसर पर सम्वाद के दौरान डॉ. नेसरी ने उपस्थित समस्त संकाय सदस्यों से आयुर्वेद के विकास हेतु केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम व उपचार हेतु सरकार के प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया। कुलपति प्रो. कुमार ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया और कोविड काल में इस संक्रमण की रोकथाम एवं उपचार हेतु विश्वविद्यालय द्वारा किये गये प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया।

गीता जयन्ती पर विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य विषयक गीता महोत्सव भव्य आयोजन

भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित स्वास्थ्य संबंधी संदर्भ एवं जीवन पद्धति से संबंधित सूत्रों को आम लोगों में प्रसारित करने के उद्देश्य से गीता जयन्ती पर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय ऑनलाइन गीता महोत्सव मनाया गया। उद्घाटन व्याख्यान मे कुलपति प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार ने बताया कि श्रीमद्भगवद्गीता की प्रतिष्ठा भारतीय गौरव के रूप में सर्वमान्य रही है एवं श्रीमद् भगवद् गीता में वर्णित प्रबंधन सूत्रों एवं जीवन पद्धति से संबंधित विषयों का महत्त्व देखते हुए पर प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों जैसे आईआईटी, आईआईएम, निफ्ट आदि में भी समय-समय पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया जाता है।

महोत्सव के प्रथम दिवस 13 दिसम्बर 2021 को आयोजित गीता श्लोक समूह गायन प्रतियोगिता में भगवत गीता में स्वास्थ्य संबंधी 11 श्लोकों का चयन कर उन पर स्मृति आधारित समूह गायन प्रतियोगिता का आनलाईन आयोजन किया गया जिसमें राजस्थान के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों की करीब 8 टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में उज्जैन आयुर्वेदिक कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रामतीर्थ शर्मा एवं बीएचयू के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर फिरोज खां, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनीषा गोयल के रूप में निर्णयकों के निर्णयानुसार विश्वविद्यालय की टीमें प्रतिधि व मोक्षदा क्रमशः विजेता व उपविजेता रहीं।

दूसरे दिन 14 दिसम्बर 2021 को **श्रीमद्भगवद्गीता में आयुर्वेद** विषय पर आयोजित वेबीनार में भारत के विविध क्षेत्रों के शीर्ष पदों पर प्रतिष्ठित प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, योगाचार्यों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों आदि ने अपने -अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस कड़ी में 2016 बैच की आईएएस अधिकारी डॉ सुनीता चौधरी, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव डॉ सूरजमल राव, लंदन में भारत के पूर्व सांस्कृतिक राजदूत व विश्व विख्यात योग प्रशिक्षक डॉ धीरज प्रकाश जोशी, राजसमंद थाना प्रभारी डॉ. हनुमंत सिंह राजपुरोहित, पूर्व आयुर्वेद उपनिदेशक डॉ सुरेंद्र भार्गव, राजस्थान राज्य प्राकृतिक चिकित्सा विकास बोर्ड के सदस्य सचिव डॉ. राहुल पाराशर, विश्वविद्यालय से प्राचार्य प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला, डॉ. प्रेम प्रकाश व्यास, प्रो. राजेश गुप्ता, डॉ राकेश शर्मा, डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. देवेंद्र सिंह चाहर, महिला पीजी महाविद्यालय के डॉ. नीतेश व्यास, बीएचयू के डॉ. फिरोज खान, भोपालगढ़ राजकीय महाविद्यालय की डॉ. दीपमाला गहलोत, डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर की डॉ. नंदिता सिंघवी, कोटा से डॉ. जीनत जहाँ पठान, मेरठ से डॉ. कपिल मलिक, उदयपुर से डॉ. तारकेश्वर एवं डॉ किरण चौधरी आदि अनेक प्रतिभागियों ने मानव जीवन एवं स्वास्थ्य को लेकर प्रशासन, सुरक्षा, चिकित्सा, अनुशासन, आहार मानसिक स्वास्थ्य, जीवनचर्या, स्त्रियों का स्वास्थ्य,, विश्वशांति, युवकों की दिशा व दशा, सामाजिक उन्नयन, मानवशरीर व त्रिगुण, पर्यावरण, कर्म विवेचन आदि विविध क्षेत्रों के सन्दर्भ में श्रीमद् भागवत गीता में वर्णित सूत्रों को उद्घाटित किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष मौलिक सिद्धान्त विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र सिंह चाहर व सचिव इसी विभाग में सहायक प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा थीं।

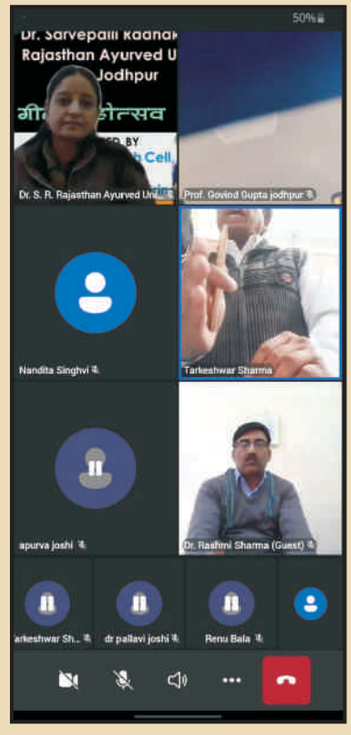

विश्वविद्यालय संकाय सदस्यों के व्याख्यान

आयुष मंत्रालय भारत सरकार की आयुष्मान भारत योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत राजस्थान राज्य में आयुर्वेदिक हॉस्पिटल को हेल्थ एवं वैलनेस सेंटर के रूप में विकसित करने हेतु नवनियुक्त 500 चिकित्साधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर झालाना डूंगरी, जयपुर में आयोजित छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डॉ. अरुण दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर, रोग एवं विकृति विज्ञान ने Laboratory Skills विषय पर व्याख्यान दिए।

डॉ. संजय श्रीवास्तव, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, शल्य तन्त्र विभाग ने 18 व 21 दिसम्बर 2021 को आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित अभिनवन शिविर कार्यक्रम में Evidence based Medicine with Documentation विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किये।

श्री कनीराम सालगराम नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र, मगरा पूंजला, जोधपुर में प्राचार्य एवं कौमारभृत्य विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. दिनेश कुमार राय ने 2 नवम्बर 2021 को आयुर्वेद दिवस एवं धन्वन्तरि जयन्ती के अवसर पर केशव आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, अकलेरा द्वारा आयोजित पोषण विषयक राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी में शिक्षकों की नियुक्ति

विश्वविद्यालय के नवीन संघटक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी हेतु विभिन्न पदों हेतु दिनांक 26 नवम्बर 2021 को साक्षात्कार आयोजित किया गया। एसोसिएट प्रोफेसर व असिस्टेण्ट प्रोफेसर के 10 विज्ञापित पदों हेतु कुल 79 आवेदन प्राप्त हुए। विश्वविद्यालय में सम्पन्न हुए साक्षात्कार के उपरान्त पांच असिस्टेण्ट प्रोफेसर एवं पांच एसोसिएट प्रोफेसर का गेस्ट फैकल्टी के रूप में चयन किया गया। सह आचार्य पद पर चयनित डॉ. गौरव नागर को इस नवीन होम्योपैथी महाविद्यालय के प्राचार्य पद पर नियुक्त किया गया और डॉ. वृषाली को विश्वविद्यालय होम्योपैथी चिकित्सालय का अधीक्षक नियुक्त किया गया।

डॉ. मोनिका का जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में व्याख्यान

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं गांधी शांति प्रतिष्ठान जोधपुर की ओर से गांधी जयंती के उपलक्ष में आयोजित एक कार्यक्रम में 4 अक्टूबर 2021 को मौलिक सिद्धांत विभाग में सहायक आचार्य डॉ. मोनिका वर्मा ने 'आहार एवं व्यक्तित्व-गांधी दर्शन के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. मोनिका वर्मा ने पुन: जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय एवं जोधपुर वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति राजस्थान के संयुक्त तत्त्वाधान में 18 नवम्बर 2021 को आयोजित वरिष्ठ नागरिकों के खुशहाल व स्वस्थ जीवन विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में 'वृद्धावस्था में उचित खानपान' विषय पर व्याख्यान दिया।

विश्वविद्यालय एवं जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के मध्य आयुर्वेदीय औषधियों पर शोध हेतु एमओयू

विश्वविद्यालय एवं जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के मध्य आयुर्वेदीय औषधियों पर शोध हेतु 11 अक्टूबर 2021 को कुलपति प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार एवं जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी ने एक एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर कुलपति प्रो. कुमार ने कहा कि इस एमओयू के अन्तर्गत जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के वनस्पति विभाग के विशेषज्ञ औषधियों की पहचान व सम्वर्द्धन का कार्य करेंगे जबकि आयुर्वेद विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ इसमें उपस्थित औषधीय महत्त्व के गुणों पर शोध कार्य सम्पन्न करेंगे। इससे स्थानीय वनस्पति व उसके आयुर्वेद विज्ञान के अन्तर्गत औषधीय उपयोग पर शोध को बढ़ावा मिलेगा और आने वाले समय में आयुर्वेदीय औषधियों का उत्पादन गुणवत्तापूर्वक किया जा सकेगा। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने बताया कि वर्तमान में विभिन्न बीमारियों के निदान में उपयोग में आने वाले जैव पदार्थों का प्राथमिकता के साथ औषधीय उपयोग हो रहा है। अत: थार मरुस्थलीय पादपों में उपस्थित जैव पदार्थों की पहचान करने के लिए शोध नितान्त आवश्यक है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल सहित दोनों विश्वविद्यालयों के अनेक संकाय सदस्य व अधिकारी उपस्थित थे।

आईईसी व रिसर्च बोर्ड की बैठक

दिनांक 27-29 दिसंबर 2021 को विश्वविद्यालय की इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी (IEC) की मीटिंग अध्यक्ष प्रो. महेश चंद्र शर्मा, पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें स्नातकोत्तर एवं पीएचडी अध्येताओं के शोध प्रस्ताव प्रारूपों को गहन परीक्षणोपरांत अनुमोदित किया गया।

इसी क्रम में 30 दिसंबर 2021 को कुलपति प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार की अध्यक्षता में आयोजित विश्वविद्यालय के अनुसंधान बोर्ड की मीटिंग में उक्त पीजी व पीएचडी अनुसंधान के प्रस्ताव प्रारूपों का अन्तिम अनुमोदन किया गया।

स्नातकोत्तर रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार रसोत्कर्ष का आयोजन

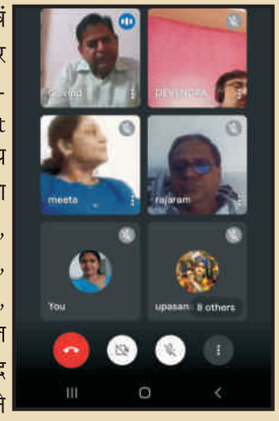

स्नातकोत्तर रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग द्वारा 6 अक्टूबर 2021 को Relevenace of Herbo-mineral Preparation in Present Secnario विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार रसोत्कर्ष का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में प्रो. नम्रता जोशी, रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग, बीएचयू व डॉ. विनीत मित्तल, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, फार्मास्युटिकल साईन्सेज़ विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक ने अपने विशेषज्ञता पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किये। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार ने उद्घाटन व्याख्यान में रसौषधियों के निर्माण में गुणवत्ता बनाये रखने के लिए तकनीक आधारित व्यवस्थाओं का सम्यक् उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, डॉ. राजाराम अग्रवाल एसोसिएट प्रोफेसर, डा. मनीषा गोयल, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. विजयपाल त्यागी, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, डॉ. चन्द्रभान शर्मा असिस्टेण्ट प्रोफेसर सहित देश भर से बड़ी संख्या में संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

डॉ. हरीश सिंघल का डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय में व्याख्यान

7 अक्टूबर 2021 को डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय, मुंबई की ओर से ADHD विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित की गई जिसमें कौमारभृत्य विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हरीश कुमार सिंहल ने Pathogenesis and Management of ADHD in Ayurveda विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

गोद ग्राम भटिण्डा में नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय द्वारा 18 दिसम्बर 2021 को गोद ग्राम भटिण्डा में महादेव मंदिर के निकट आयोजित नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में कुल 165 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनको नि:शुल्क औषध वितरित की गई। शिविर में रक्ताल्पता, कुपोषण, अम्लपित, प्रतिश्याय एवं कास आदि मौसमी बीमारियों आदि से ग्रस्त रोगियों का नि:शुल्क उपचार किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत डॉ. रश्मि शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, स्नातकोत्तर स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग द्वारा बालिकाओं के स्वास्थ्य सवंर्द्धन संबंधी जानकारी के अन्तर्गत बालिकाओं के आहार विहार, स्वास्थ्य संबंधी परिचर्या एवं आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने की महत्ता के बारे में व्याख्यान दिया गया। शिविर में नोडल अधिकारी प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता, विभागाध्यक्ष, रोग एवं विकृति विज्ञान एवं डॉ. बह्मानन्द शर्मा सहायक नोडल अधिकारी एवं एसोसिएट प्रोफेसर, स्नातकोत्तर कायचिकित्सा विभाग ने सेवायें दी।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक द्वारा 18 दिसम्बर 2021 को केन्द्रीय विद्यालय, चराई, टोंक में एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में विद्यालय के स्टॉफ व विद्यार्थियों को कोरोना से रोकथाम के उपाय बताए गये। इसके साथ ही उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया जाकर नि:शुल्क औषधि वितरण किया गया। शिविर में डॉ. मो. सफवान, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. हिना ज़फर, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, डॉ. सरफराज़ अहमद, असिस्टेण्ट प्रोफेसर एवं सहायक स्टॉफ ने अपनी सेवाएं दीं।

डॉ. राजेश शर्मा वर्ल्ड हैल्थ एवं वेलनेस फेस्ट कार्यक्रम में वक्ता के रूप में उपस्थित

विश्वविद्यालय में शरीर क्रिया विभागाध्यक्ष एवं नीट आयुष काउंसलिंग बोर्ड, राजस्थान सरकार में चेयरमैन प्रो. राजेश शर्मा आयुष मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा 17 से 19 दिसम्बर 2021 तक आयोजित वर्ल्ड हैल्थ एवं वेलनेस फेस्ट में स्वास्थ्य चर्चा कार्यक्रम के अन्तर्गत वक्ता के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति ख्यातनाम विद्वान प्रो. बनवारी लाल गौड़ भी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। दोनों वक्ताओं ने स्वास्थ्य से सम्बन्धित इस चर्चा में आयुर्वेद की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

गोदग्राम झालामण्ड में बालदिवस पर स्वास्थ्य परीक्षण व स्वास्थ्य जागरुकता शिविर का आयोजन

15 नवम्बर 2021 को गोदग्राम झालामण्ड की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्नातकोत्तर बाल रोग विभाग एवं चरक फार्मा के संयुक्त तत्त्वावधान में बाल दिवस समारोह का आयोजन किया गया। नोडल अधिकारी कौमारभृत्य विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेम प्रकाश व्यास एवं विद्यालय के प्राचार्य श्री राजेन्द्र सिंह कुम्पावत ने बताया कि इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाकर नि:शुल्क दवा वितरण किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के दलों ने महापुरुषों के नामों पर आधारित प्रतियोगिता, देशभक्ति प्रतियोगिता तथा क्विज़ प्रतियोगिता में भाग लिया। विजेताओं को चरक फार्मा की ओर से पारितोषिक वितरित किए गए। सहायक नोडल अधिकारी डॉ. राजीव सोनी, असिस्टेण्ट प्रोफेसर शल्य तन्त्र विभाग ने छात्र-छात्राओं को कोविड, डेंगू एवं अन्य मौसमी बीमारियों के बचाव के विषय पर व्याख्यान दिया।

चित्र वीथिका

महला आयुर्वेद व नेचुरोपैथी महाविद्यालय, रींगस द्वारा गांधी जयन्ती के अवसर पर 2 अक्टूबर 2021 से प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति जनजागरण कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया।

एम एन होम्योपैथी महाविद्यालय, बीकानेर द्वारा 27 अक्टूबर 2021 को आयुष जनजागरण कार्यक्रम के अन्तर्गत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, मानद विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयुर्वेद दिवस पर 2 नवम्बर 2021को नारदपुरा ग्राम में चल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमे 152 लोगों को स्वास्थ्य लाभ दिया गया

स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथी महाविद्यालय, जयपुर द्वारा 1 दिसम्बर 2021 को रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्व एड्स दिवस पर एड्स जागरुकता व्याख्यान का आयोजन किया गया

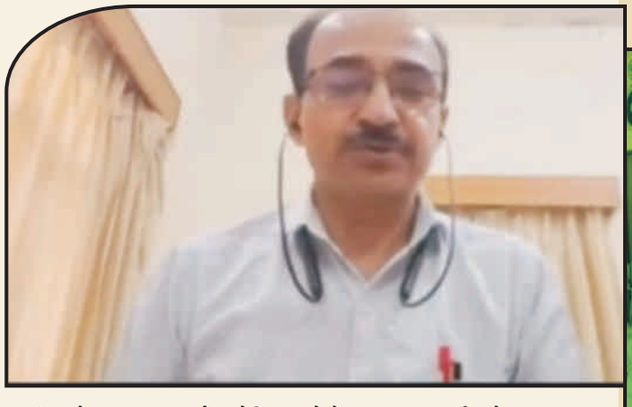

डॉ. राकेश कुमार शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर ने 21 अक्टूबर 2021 को पारुल विश्वविद्यालय, वड़ोदरा द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबिनार जराशारीरम्–2021 में Scope of Rachana Sharir in Geriatric Care & Cure (Research Oriented) विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

माननीय राज्यसभा सांसद श्री राजेन्द्र गहलोत ने 4 अक्टूबर 2021 को विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय में स्थित पंचकर्म सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स का अवलोकन किया एवं जनसामान्य को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

चित्र वीथिका

22 अक्टूबर 2021 को धन्वन्तरि जयंती के अवसर पर श्री कनीराम सालगराम टाक नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र पूंजला के प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार राय द्वारा पोषण विषयक व्याख्यान की प्रस्तुति

डॉ. हरीश सिंघल एसोसिएट प्रोफेसर कौमारभृत्य विभाग ने 14, 16 व 25 दिसम्बर, 2021 को आयुर्वेद विभाग राजस्थान सरकार द्वारा नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित अभिनवन शिविर में Evidence based Medicine with Documentation विषय पर व्याख्यान दिये।

डॉ. देवेन्द्र चाहर विभागाध्यक्ष, मौलिक सिद्धान्त विभाग ने स्वामी लक्ष्मीराम शोधपीठ एवं मौलिक सिद्धान्त विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भारत में आयुष पद्धतियों के इतिहास एवं विषय वस्तु पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफसर रचना शारीर विभाग उनके द्वारा लिखित 13वीं पुस्तक A Text Book of Sharir Rachana (IInd Part) कुलपति प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार को भेंट करते हुए।

11 दिसम्बर, 2021 को गोद ग्राम झालामण्ड में प्रशासन गांवों के संग कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

विश्वविद्यालय सांस्कृतिक समिति द्वारा 15 नवंबर 2021 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सत्र 2019-21 तक आयोजित विविध सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 37 प्रतिभाएं पुरस्कृत

सामाजिक एवं पर्यावरण सम्बन्धी सरोकार

कोविड-19 संक्रमण से हालात में सुधार के बाद स्वर्णप्राशन कार्यक्रम 25 नवम्बर 2021 से पुनः प्रारम्भ

कोविड महामारी के पश्चात् राज्य सरकार की नवीनतम गाईडलाईन के अनुक्रम में 16 वर्ष तक के बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं समुचित वृद्धि व विकास के लिये विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रतिमासिक स्वर्णप्राशन कार्यक्रम 25 नवम्बर 2021 से पुनः एम्स की आयुष ओ.पी.डी., शहर के शनिश्चर थान में, विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय, करवड़, सैटेलाईट आयुर्वेद चिकित्सालय, मगरा पूंजला और गोद-ग्राम घड़ाव के राजकीय विद्यालय में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की लोकप्रियता व उपयोगिता को देखते हुए बड़ी संख्या में अभिभावकों ने अपने बच्चों को स्वर्णप्राशन दवा पिलवाई। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार ने बताया कि शारीरिक रोग प्रतिरोधक क्षमता के घट जाने से बच्चों में प्रायः संक्रमण जनित रोग हो जाते हैं जिससे उनकी शारीरिक-मानसिक- बौद्धिक वृद्धि एवं विकास अवरुद्ध हो जाता है तथा बच्चे एंटीबायोटिक दवाओं पर निर्भर हो जाते हैं। अनेक रोगों में एंटीबायोटिक दवाएं भी निष्प्रभावी हो जाने से स्थिति और भी जटिल हो जाती है। ऐसी परिस्थिति में बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जाना आवश्यक हो जाता है और इसके लिये आयुर्वेद के प्राचीन ग्रन्थों में वर्णित प्रतिमाह पुष्य नक्षत्र के दिन स्वर्णप्राशन सर्वथा उपयुक्त एवं प्रभावी उपाय है।

पुनः 22 दिसम्बर 2021 को पुष्य नक्षत्र में उन्हीं स्थानों पर शिशुओं को स्वर्णप्राशन करवाया गया। कार्यक्रम संयोजक कौमारभृत्य विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेम प्रकाश व्यास व सह संयोजक एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हरीश सिंघल ने बताया कि दोनों दिवसों में क्रमशः 539 व 568 बच्चों को स्वर्ण प्राशन की खुराक दी गई।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष में गोदग्राम भटिण्डा व घड़ाव में पोषण विषयक व्याख्यान का आयोजन

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस एवं धन्वन्तरि जंयती के उपलक्ष्य में 20 अक्टूबर 2021 से आयोजित दस दिवसीय कार्यक्रमों की कड़ी में 21 अक्टूबर 2021 को गोदग्राम भटिण्डा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 'आयुर्वेदीय आहार-विहार एवं ऋतुचर्या पालन का जीवन' में महत्त्व विषय पर एकदिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। रोग एवं विकृति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. गोविन्द प्रसाद गुप्ता ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को बताया कि शरद ऋतु में उष्ण, सुपाच्य, गुरू, स्निग्ध एवं मात्रापूर्वक आहार का सेवन शारीरिक अग्नि को

ध्यान में रखकर करना चाहिए। उन्होंने स्वच्छता के महत्त्व को समझाते हुए शारीरिक स्वच्छता, मानसिक स्वच्छता एवं अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने का संदेश भी दिया ताकि किसी भी प्रकार की संक्रमणजन्य बीमारी को फैलने एवं उससे होने वाले दुष्प्रभावों से बचा जा सके। कार्यक्रम में लगभग 150 छात्र-छात्राएं एवं भटिण्डा गांव के सरपंच, राजकीय उच्च माध्यमिक महाविद्यालय के प्राचार्य एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इसी कड़ी में 21 अक्टूबर 2021 को ही गोदग्राम घड़ाव के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में आम जन में जागरुकता के लिये आहार एवं पोषण से संबंधित व्याख्यान का आयोजन किया गया। स्नातकोत्तर कायचिकित्सा विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद मिश्रा ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं को शरद ऋतु में उष्ण, सुपाच्य, गुरू, स्निग्ध एवं मात्रापूर्वक आहार का शारीरिक अग्नि को ध्यान में रखकर सेवन करने के बारे में बताया। इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है व कुपोषणजनित व्याधियों से बचाव होता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कायचिकित्सा विभाग के स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गोदग्राम घड़ाव में वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य जागरुकता शिविर

11 अक्टूबर 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्वविद्यालय के गोदग्राम घडाव में वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। ग्राम के राजकीय विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं उन्हें स्वास्थ्य संरक्षण एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के बारे में जानकारी दी गयी। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में नीम, तुलसी आदि औषधीय पौधों का रोपण किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं स्टॉफ को कोरोना से रोकथाम हेतु काढ़ा भी पिलाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शल्य तन्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता, कायचिकित्सा विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा सहित विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं, घड़ाव राजकीय विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकगण सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय में आयुर्वेद दिवस एवं धन्वन्तरि जयन्ती समारोहपूर्वक आयोजित

विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद द्वारा 2 नवम्बर 2021 को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस एवं धन्वन्तरि जयन्ती का आयोजन समारोहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य एवं चीफ प्रॉक्टर डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय व प्रशासनिक खण्ड में स्थापित धन्वन्तरि प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। महाविद्यालय परिसर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में भगवान् धन्वन्तरि की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए विधि विधान से पूजन व अर्चन प्रक्रिया सम्पन्न की गई। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद द्वारा आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष में आयोजित दस दिवसीय कार्यक्रम श्रृंखला के समापन कार्यक्रम के अवसर पर कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. राकेश शर्मा ने आयुर्वेद दिवस के आयोजन की महत्ता के बारे में बताया और कार्यक्रम आयोजकों का आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में स्त्री रोग एवं प्रसूति तन्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. ए. नीलिमा व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रश्मि शर्मा, रसशास्त्र विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजाराम अग्रवाल, शरीर रचना विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. श्योराम शर्मा, कायचिकित्सा विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा, द्रव्यगुण विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनोज अदलखा, अगद तन्त्र विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रितु कपूर आदि संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की संस्था श्री कनीराम सालगराम टॉक नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र, पूंजला में भी प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार राय व समस्त स्टाफ द्वारा भगवान धन्वन्तरि की पूजा अर्चना की गयी।

विश्वविद्यालय व आंगिक संस्थाओं में गांधी जयन्ती व शास्त्री जयन्ती मनाई गयी

2 अक्टूबर 2021 को महात्मा गांधी जयंती व लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित गांधी दर्शन कार्यक्रम में संकाय सदस्यों व छात्रों ने महात्मा गांधी के आदर्शों की मानव मूल्यों में अवधारणा पर विचार प्रस्तुत किये। आंगिक संस्था श्री कनीराम सालगराम टॉक नर्सिंग प्रशिक्षण केंद्र पूंजला एवं यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी में आयोजित काव्य, गीत, भाषण तथा वृक्षारोपण आदि विभिन्न कार्यक्रमों में भी छात्र एवं छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं आंगिक संस्थाओं में आयोजित स्वच्छता अभियान में बड़ी संख्या में सम्बन्धित संस्थाओं के संकाय सदस्यों व छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी का एनसीएच द्वारा निरीक्षण

राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा प्रस्तुत बजट के अंतर्गत खोले गये नवीन यूनिवर्सिटी कॉलेज होम्योपैथी में सत्र 2021-2022 में प्रवेश के लिए नेशनल कमीशन ऑफ होम्योपैथी, नई दिल्ली द्वारा नियुक्त दल ने LOI तथा LOP हेतु निरीक्षण किया। कॉलेज के नोडल अधिकारी एवं रोग व विकृति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. गोविन्द प्रसाद गुप्ता ने बताया कि निकट भविष्य में स्वीकृति प्राप्त होने पर नीट-काउसलिंग के द्वारा विद्यार्थियों को प्रवेश मिल सकेगा।

विश्वविद्यालय छात्रा वैशाली मिश्रा AIAPGET-2021 परीक्षा में देश में द्वितीय स्थान पर चयनित

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद की 2015 बैच की छात्रा डॉ. वैशाली मिश्रा ने स्नातकोत्तर आयुर्वेद पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आयोजित अखिल भारतीय आयुर्वेद स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (AIAPGET)-2021 में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की गरिमा को बढ़ाया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य व संकाय सदस्यों ने डॉ. मिश्रा को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्रो. महेश शर्मा की सेवानिवृत्ति पर विश्वविद्यालय सहित विभिन्न संस्थाओं में विदाई कार्यक्रम आयोजित

पंचकर्म विभाग के विभागाध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय के अधीक्षक प्रो. महेश शर्मा अपने गरिमामय सेवाकाल के उपरांत 31 अक्टूबर 2021 को सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार एवं शिक्षक संघ की ओर से प्रो. महेश शर्मा का भावपूर्ण सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रामस्नेही सम्प्रदाय के जोधपुर आश्रम के पूज्य सन्त श्री रामप्रसाद जी महाराज के सान्निध्य में कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया, प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल सहित अनेक संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र-छात्राओं सहित प्रो. महेश जी की धर्मपत्नी एवं उनके परिजन भी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रो. महेश शर्मा ने विश्वविद्यालय में बिताये गये पलों को स्वर्णिम काल बताया एवं समस्त सहयोगियों का उनके कार्यकाल के दौरान दिये गये सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय में भी प्रो. महेश शर्मा को चिकित्सालय परिवार द्वारा भावपूर्ण विदाई दी गई। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल सहित विभिन्न विभागों से चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टॉफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

इसी उपलक्ष में श्री कनीराम सालगराम टॉक नर्सिंग प्रशिक्षण केंद्र, पूंजला में आयोजित समारोह में भी प्राचार्य डॉ. दिनेश राय एवं अन्य संकाय सदस्यों, कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं द्वारा वहां पर पूर्व में चिकित्सालय प्रभारी रहे प्रो. महेश शर्मा को उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर साफा एवं माल्यार्पण कर भावभीनी विदाई दी गयी।

डॉ. विनोद गौतम, डॉ. महेश इन्द्रा व डॉ. उपासना शर्मा के स्थानान्तरण पर दी गई भावपूर्ण विदाई

राजस्थान सरकार द्वारा बजट घोषणा में खोले गये छः नवीन आयुर्वेदिक महाविद्यालयों की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय में आयुर्वेद विभाग से प्रतिनियुक्ति पर सेवारत डॉ. विनोद गौतम, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, कायचिकित्सा विभाग, डॉ. महेश इन्द्रा, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, स्वस्थवृत्त विभाग, एवं डॉ. उपासना शर्मा, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, स्त्री रोग एवं प्रसूति तन्त्र विभाग के इन महाविद्यालयों में से क्रमशः राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय कोटा, सीकर एवं जयपुर में सहायक आचार्य के रूप में प्रतिनियुक्त होने एवं इनके विश्वविद्यालय से कार्यमुक्त होने पर इन सभी का भावपूर्ण विदाई समारोह विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया।

स्नातकोत्तर रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग द्वारा फूड फेस्टिवल आयोजित

स्नातकोत्तर रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग द्वारा आयुर्वेद दिवस-2021 के थीम विषय पोषण पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की गई दस दिवसीय कार्यक्रम श्रृंखला के अन्तर्गत 26 अक्टूबर 2021 को फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा तैयार औषधीय द्रव्यों से इडली, उत्तपम्, बिस्किट आदि विभिन्न पोषक खाद्य पदार्थों की प्रदर्शनी लगाई गई। विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया एवं संकाय सदस्यों ने सहित अनेक संकाय सदस्यों ने इन खाद्य पदार्थों का सेवन किया। स्वाद एवं पोषण से युक्त इन आहार द्रव्यों की सभी ने मुक्त कण्ठ से सराहना की। कार्यक्रम में प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजाराम अग्रवाल व डा. मनीषा गोयल, असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. विजयपाल त्यागी व डॉ. चन्द्रभान शर्मा सहित अनेक संकाय सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल विश्व आयुर्वेद परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल को हैदराबाद में आयोजित विश्व आयुर्वेद परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन में सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया गया। प्रो. शुक्ल इससे पूर्व परिषद् के शिक्षक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी थे। विश्वविद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं ने उनके इस प्रतिष्ठित दायित्व पर नियुक्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की एवं बधाई दी।

श्री दशरथ सोलंकी को वित्त नियंत्रक का अतिरिक्त कार्यभार

राजस्थान सरकार द्वारा राजस्थान लेखा सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री दशरथ सिंह सोलंकी को विश्वविद्यालय के वित्त नियन्त्रक पद का अतिरिक्त कार्यभार दिये जाने पर उनके द्वारा 15 नवंबर 2021 को कार्यभार ग्रहण किया गया। श्री सोलंकी मूलत: जोधपुर में नवस्थापित एमबीएम अभियांत्रिक विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक के पद पर कार्यरत हैं।

डॉ. ज्ञानप्रकाश पंचकर्म विभागाध्यक्ष नियुक्त

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के पंचकर्म विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो. महेश शर्मा की सेवानिवृत्ति के उपरांत कुलपति प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार द्वारा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया। डॉ. शर्मा ने 1 नवम्बर 2021 को विधिवत् विभागाध्यक्ष पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

प्रो. प्रमोद मिश्रा विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय अधीक्षक व डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा उपाधीक्षक

विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. महेश कुमार शर्मा विभागाध्यक्ष, पंचकर्म विभाग के 31 अक्टूबर 2021 को सेवानिवृत्त होने पर कुलपति प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार द्वारा कायचिकित्सा विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद मिश्रा को उनके स्थान पर विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय का अधीक्षक नियुक्त किया गया। इसी प्रकार प्रो. मिश्रा के अधीक्षक बनने पर इसी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा को उपाधीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त डॉ. शर्मा को विभाग के ही असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. विनोद गौतम के राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, कोटा स्थानान्तरित होने पर उनके स्थान पर वृद्धावस्था देखभाल सम्बन्धी 6 मासिक सर्टिफिकेट कोर्स का सह-समन्वयक भी नियुक्त किया गया।

डॉ. राकेश कुमार शर्मा आयुर्वेद विश्वविद्यालय के प्रबन्ध मण्डल (BoM) के सदस्य मनोनीत

कुलपति प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार ने स्नातकोत्तर रचना शारीर विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार शर्मा को विश्वविद्यालय की सर्वोच्च नियामक संस्था प्रबन्ध मण्डल (BoM) का सदस्य मनोनीत किया है। डॉ. शर्मा विश्वविद्यालय में चीफ प्रॉक्टर, मानव संसाधन विकास केन्द्र के मुख्य समन्वयक, केन्द्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष, विश्वविद्यालय न्यूज़लेटर के सम्पादक, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन ऑल इण्डिया सर्वे ऑन हायर एजूकेशन (AISHE) एवं एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज़ (AIU) के नोडल ऑफिसर का दायित्व भी सम्भाल रहे हैं। वे पूर्व में विश्वविद्यालय के क्रीड़ा व सांस्कृतिक अनुभाग के कोऑर्डीनेटर भी रहे हैं।

संरक्षक
प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार
कुलपति

उप संरक्षक
श्री सीमा कविया RAS
कुलसचिव

सम्पादक
डॉ. राकेश कुमार शर्मा
चीफ प्रॉक्टर

सह-सम्पादक
डॉ. मोनिका वर्मा
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, मौलिक सिद्धान्त

डॉ. हरीश कुमार सिंघल
एसोसियेट प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. अरुण दाधीच
एसोसियेट प्रोफेसर, रोग व विकृति विज्ञान

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय
कड़वड़, नागौर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 65, जोधपुर (राज.)
Phone: 0291-2795312, Fax: 0291-2795300
E-mail: rau_jodhpur@yahoo.co.in
Website: www.education.rajasthan.gov.in/raujodhpur

स्वत्वाधिकारी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर विभाग द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर से प्रकाशित। सम्पादक: डॉ. राकेश कुमार शर्मा

भारत सरकार की सेवार्थ — प्रिण्टेण्ड-बुक

सेवामें,

____

____

____